संकेत-बिंदु

मेहनत ही सच्चा धन है

किसान का गरीबी से दुखी होना...महात्मा के पास जाना...महात्मा का किसान को गठरियाँ देना... किसान का धन वाली गठरी उठाना...महात्मा द्वारा गठरियों के बारे में बताना...किसान को अपनी गलती का एहसास होना...मेहनत करने का संकल्प लेना...खेतों में मेहनत करना ...गरीबी दूर होना...जीवन में खुशियाँ आना...।

रघुनाथ गरीब किसान था। वह हर समय अपनी गरीबी को दूर करने के विषय में सोचा करता था।

एक दिन रघुनाथ अपने खेतों पर जा रहा था। रास्ते में उसके गाँववालों ने बताया कि नदी के पास एक महात्मा जी ठहरे हैं। वे बहुत ही ज्ञानी हैं। अगर वह उनके पास जाकर उनके दर्शन कर ले और अपनी समस्या बताए तो उसके दुख दूर हो सकते हैं।

रघुनाथ मन में आशा लिए उनके पास गया। उन्होंने उसके आने का कारण पूछा, तो उसने अपनी गरीबी की हालत बताई।

महात्मा जी ने कुछ सोचा और अपने पास से तीन गठरियाँ निकालीं और बोले, "इन तीनों में से किसी एक को अपने पास रख सकते हो।"

महात्मा जी ने उसे तीनों गठरियाँ दीं। तीनों गठरियों के ऊपर अलग-अलग नाम लिखे थे–पहले वाली पर 'धन', दूसरी पर 'अवसर' और तीसरी पर 'मेहनत' लिखा था।

रघुनाथ ने बहुत सोच-विचार कर धन वाली गठरी को अपने पास रख लिया और बाकी दोनों गठरियों को वापस कर दिया।

फिर महात्मा जी से इन गठरियों के बारे में पूछा तो महात्मा जी ने कहा, "देखो, तुम गरीब हो, यह तुम खुद मानते हो, इसलिए तुमने धन के बारे में सोचकर ही धन वाली गठरी उठाई। हर मानव का स्वभाव यही है, क्योंकि उसे लगता है कि अगर धन हो तो सबकुछ ठीक है, लेकिन धन जुटाने के चक्कर में मानव अपने जीवन के अनमोल अवसरों को गँवा देता है।

और यदि तुम सिर्फ़ अवसर की तलाश में रहोगे तो फिर कभी भी मेहनत करना नहीं चाहोगे और हमेशा यही सोचते रहोगे कि कब मेरा अच्छा समय आएगा और कब मैं अमीर व्यक्ति बन पाऊँगा और ऐसा सोचते हुए भी जीवन के अनमोल पलों को नष्ट कर लेते हो।

यदि तुम मेहनत पर विश्वास करते हो तो अपने बुरे से बुरे अवसर को भी अच्छे समय में परिवर्तित कर सकते हो और मेहनत के बल पर अधिक से अधिक धन कमा सकते हो। मेहनत से कमाया हुआ धन हमें सुख और सुकून भी देता है। अब तुम बताओ कि कौन-सी गठरी लेना पसंद करोगे? वह तुरंत महात्मा जी के चरणों में गिर पड़ा और बोला, "महात्मा जी, मुझे क्षमा करें। मैं अज्ञानी व्यक्ति जो सिर्फ़ रात-दिन धन पाने के बारे में ही सोचता रहा, लेकिन आपने मेरी आँखें खोल दीं। अब मुझे समझ में आ गया कि अगर मैं मेहनत करूँगा तो जीवन के सभी सुख पा सकता हूँ और अपने हर बुरे समय को अच्छे समय में बदल सकता हूँ।"

इसके बाद वह व्यक्ति महात्मा जी को प्रणाम करके उनका आशीर्वाद लेकर अपने घर आ गया और फिर उसने अपने खेतों में खूब मेहनत की। इस बार खूब अच्छी फ़सल हुई और उसकी गरीबी दूर हो गई। फिर वह हमेशा मेहनत करने में विश्वास करने लगा।

शिक्षा–मेहनत के बल पर बुरी से बुरी परिस्थितियों को अच्छे और सुख देने वाले समय मे बदला जा सकता है।

महात्मा जी ने कुछ सोचा और अपने पास से तीन गठरियाँ निकालीं और बोले, "इन तीनों में से किसी एक को अपने पास रख सकते हो।"

महात्मा जी ने उसे तीनों गठरियाँ दीं। तीनों गठरियों के ऊपर अलग-अलग नाम लिखे थे—पहले वाली पर 'धन', दूसरी पर 'अवसर' और तीसरी पर 'मेहनत' लिखा था।

रघुनाथ ने बहुत सोच-विचार कर धन वाली गठरी को अपने पास रख लिया और बाकी दोनों गठरियों को वापस कर दिया।

फिर महात्मा जी से इन गठरियों के बारे में पूछा तो महात्मा जी ने कहा, "देखो, तुम गरीब हो, यह तुम खुद मानते हो, इसलिए तुमने धन के बारे में सोचकर ही धन वाली गठरी उठाई। हर मानव का स्वभाव यही है, क्योंकि उसे लगता है कि अगर धन हो तो सबकुछ ठीक है, लेकिन धन जुटाने के चक्कर में मानव अपने जीवन के अनमोल अवसरों को गँवा देता है।

और यदि तुम सिर्फ़ अवसर की तलाश में रहोगे तो फिर कभी भी मेहनत करना नहीं चाहोगे और हमेशा यही सोचते रहोगे कि कब मेरा अच्छा समय आएगा और कब मैं अमीर व्यक्ति बन पाऊँगा और ऐसा सोचते हुए भी जीवन के अनमोल पलों को नष्ट कर लेते हो।

यदि तुम मेहनत पर विश्वास करते हो तो अपने बुरे से बुरे अवसर को भी अच्छे समय में परिवर्तित कर सकते हो और मेहनत के बल पर अधिक से अधिक धन कमा सकते हो। मेहनत से कमाया हुआ धन हमें सुख और सुकून भी देता है। अब तुम बताओ कि कौन-सी गठरी लेना पसंद करोगे? वह तुरंत महात्मा जी के चरणों में गिर पड़ा और बोला, "महात्मा जी, मुझे क्षमा करें। मैं अज्ञानी व्यक्ति जो सिर्फ़ रात-दिन धन पाने के बारे में ही सोचता रहा, लेकिन आपने मेरी आँखें खोल दीं। अब मुझे समझ में आ गया कि अगर मैं मेहनत करूँगा तो जीवन के सभी सुख पा सकता हूँ और अपने हर बुरे समय को अच्छे समय में बदल सकता हूँ।"

इसके बाद वह व्यक्ति महात्मा जी को प्रणाम करके उनका आशीर्वाद लेकर अपने घर आ गया और फिर उसने अपने खेतों में खूब मेहनत की। इस बार खूब अच्छी फ़सल हुई और उसकी गरीबी दूर हो गई। फिर वह हमेशा मेहनत करने में विश्वास करने लगा।

शिक्षा—मेहनत के बल पर बुरी से बुरी परिस्थितियों को अच्छे और सुख देने वाले समय मे बदला जा सकता है।